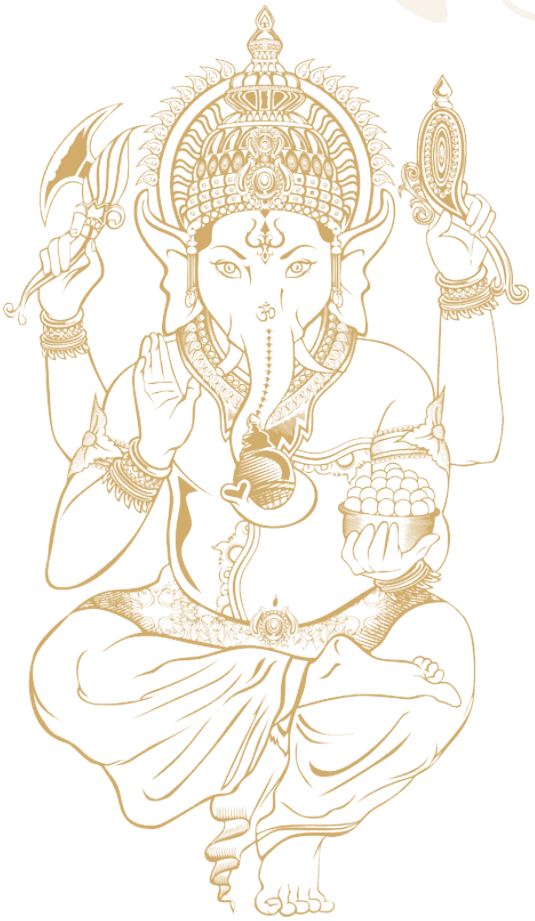

M

10 Dec 2006

07:11 PM

Jammu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121418402

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10/12/2006**
दिन	रविवार
जन्म समय	**19:11:00 घंटे**
इष्ट	29:32:59 घटी
स्थान	**Jammu**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:42:00 उत्तर
रेखांश	74:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:40:28 घंटे
वेलान्तर	00:07:20 घंटे
साम्पातिक काल	23:57:03 घंटे
सूर्योदय	07:21:48 घंटे
सूर्यास्त	17:24:43 घंटे
दिनमान	10:02:55 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	24:23:54 वृश्चिक
लग्न के अंश	19:44:10 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वैधृति
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मा-माणिक
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	19:44:10	311:24:38	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	---
सूर्य			वृश्चि	24:23:54	01:00:58	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	02:04:33	12:12:16	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			वृश्चि	09:07:43	00:42:30	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	स्वराशि
बुध			वृश्चि	09:29:41	01:29:36	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	सम राशि
गुरु			वृश्चि	09:40:10	00:13:09	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			धनु	05:12:55	01:15:19	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	सम राशि
शनि	व		सिंह	01:05:53	00:00:30	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
राहु	व		कुंभ	26:53:13	00:02:21	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	26:53:13	00:02:21	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	17:01:52	00:01:02	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	---
नेप			मक	23:34:19	00:01:22	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	---
प्लूटो			धनु	02:16:46	00:02:13	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	05:14:31	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:57:17

लग्न-चलित

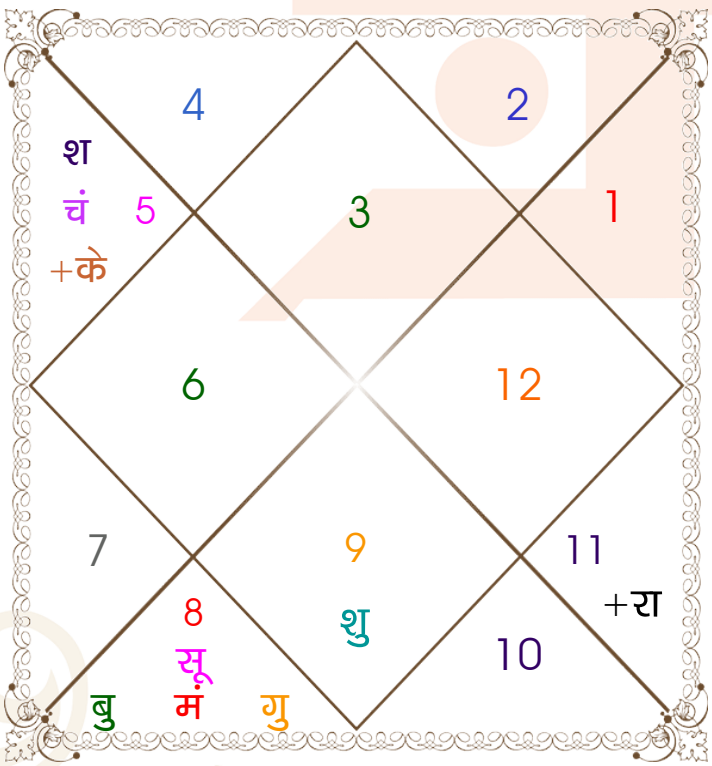

चन्द्र कुंडली

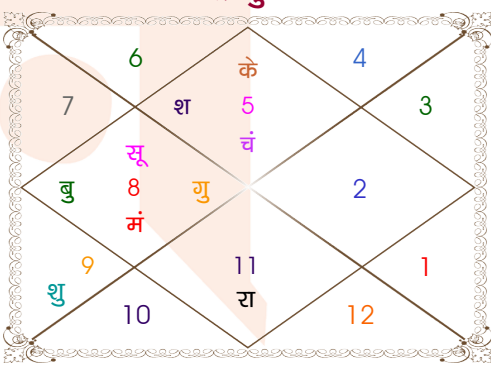

नवमांश कुंडली

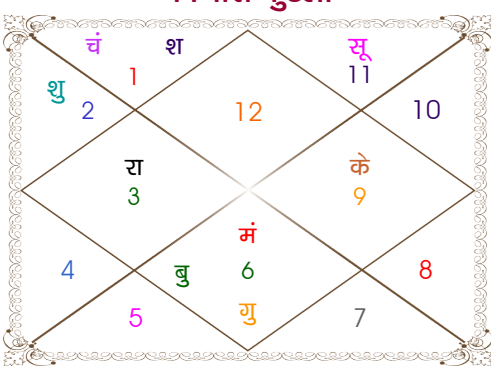

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 10 मास 28 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
10/12/2006		07/11/2012		07/11/2032		07/11/2038		07/11/2048	
07/11/2012		07/11/2032		07/11/2038		07/11/2048		08/11/2055	
	10/12/2006	शुक्र	08/03/2016	सूर्य	25/02/2033	चंद्र	08/09/2039	मंगल	05/04/2049
शुक्र	06/06/2007	सूर्य	09/03/2017	चंद्र	26/08/2033	मंगल	08/04/2040	राहु	24/04/2050
सूर्य	11/10/2007	चंद्र	07/11/2018	मंगल	01/01/2034	राहु	08/10/2041	गुरु	31/03/2051
चंद्र	11/05/2008	मंगल	08/01/2020	राहु	26/11/2034	गुरु	07/02/2043	शनि	08/05/2052
मंगल	08/10/2008	राहु	07/01/2023	गुरु	14/09/2035	शनि	07/09/2044	बुध	06/05/2053
राहु	26/10/2009	गुरु	07/09/2025	शनि	26/08/2036	बुध	07/02/2046	केतु	02/10/2053
गुरु	02/10/2010	शनि	07/11/2028	बुध	02/07/2037	केतु	08/09/2046	शुक्र	02/12/2054
शनि	11/11/2011	बुध	08/09/2031	केतु	07/11/2037	शुक्र	08/05/2048	सूर्य	09/04/2055
बुध	07/11/2012	केतु	07/11/2032	शुक्र	07/11/2038	सूर्य	07/11/2048	चंद्र	08/11/2055

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
08/11/2055		07/11/2073		07/11/2089		08/11/2108		08/11/2125	
07/11/2073		07/11/2089		08/11/2108		08/11/2125		00/00/0000	
राहु	21/07/2058	गुरु	26/12/2075	शनि	10/11/2092	बुध	07/04/2111	केतु	06/04/2126
गुरु	14/12/2060	शनि	09/07/2078	बुध	21/07/2095	केतु	03/04/2112	शुक्र	11/12/2126
शनि	20/10/2063	बुध	14/10/2080	केतु	29/08/2096	शुक्र	02/02/2115		00/00/0000
बुध	09/05/2066	केतु	20/09/2081	शुक्र	30/10/2099	सूर्य	09/12/2115		00/00/0000
केतु	27/05/2067	शुक्र	21/05/2084	सूर्य	12/10/2100	चंद्र	10/05/2117		00/00/0000
शुक्र	27/05/2070	सूर्य	09/03/2085	चंद्र	13/05/2102	मंगल	07/05/2118		00/00/0000
सूर्य	21/04/2071	चंद्र	09/07/2086	मंगल	22/06/2103	राहु	23/11/2120		00/00/0000
चंद्र	20/10/2072	मंगल	15/06/2087	राहु	28/04/2106	गुरु	01/03/2123		00/00/0000
मंगल	07/11/2073	राहु	07/11/2089	गुरु	08/11/2108	शनि	08/11/2125		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 11 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।